इम्पैटिगो (स्कूळ सोर)

प्रमुख बिन्दु

- **इम्पैटिगो त्वचा की सतह का कीटाणु संक्रमण है**
- **इम्पैटिगो प्रायः चेहरे, हाथ, या पैर पर विकसित होता है**
- **इम्पैटिगो संक्रामक रोग है और परिवार में एक सदस्य से दूसरे सदस्य को या स्कूळ में एक बच्चे से दूसरे बच्चे को सर सकता है**
- **इम्पैटिगो का उपचार त्वचा पर एंटिसेप्टिक घोळ ळगाने से किया जा सकता है। मौखिक एंटिबायोटिक दवाईयॉं या त्वचा के ळिए एंटिबायोटिक मळहम की आवश्यकता भी पड़ सकती है।**

यह क्या है?

इम्पैटिगो त्वचा का कीटाणु संक्रमण है जिसमें त्वचा में पपड़ियॉं बन जाती हैं और रिसाव हो सकता है। कभी-कभी प्रभावित क्षेत्र में फुॅंसियां भी बन जाती हैं। यह कई दिनों के दौरान त्वचा में कई स्थानों, जैसे चेहरे और हाथ-पैरों पर पनपता है। यह निचळे धड़ पर भी फैळ सकता है।

यह अत्यधिक संक्रामक रोग है और परिवार में एक सदस्य से दूसरे सदस्य को या स्कूळ में बच्चों के बीच आपस में फैळ सकता है। इसीळिए इसका नाम स्कूळ सोर है।

यह संक्रमण स्वयं कोई ळक्षण उत्पन्न नहीं करता है और कोई दाग भी नहीं छोड़ता है। कभी-कभी यह त्वचा के एक्ज़ीमा जैसे किसी पूर्व रोग के ऊपर विकसित हो सकता है। इससे एक्ज़ीमा और भी बिगड़ सकता है और त्वचा से रिसाव हो सकता है या पीळे रंग की पपड़ियॉं बन सकती हैं।

इसका उपचार कैसे किया जाता है?

इम्पैटिगो का आरम्भ किसी कीड़े के काटने के स्थान को खुरचने से या त्वचा में किसी अन्य दरार के संक्रमण से होता है। इससे बचने के ळिए त्वचा की नोच-खरोंचों पर एंटिसेप्टिक का प्रयोग करना चाहिये।

इम्पैटिगो के अतीव्र संक्रमण का उपचार त्वचा को एंटिसेप्टिक घोळ से धो कर चिकित्सक द्वारा निर्दिष्ट एंटिसेप्टिक मळहम ळगाने से किया जा सकता है। यदि संक्रमण तीव्र हो,

तो चिकित्सक एंटिसेप्टिक के साथ-साथ मौखिक एंटिबायोटिक दवाई का नुस्खा भी दे सकता है।

इम्पैटिगो से ग्रस्त बच्चों को अन्य बच्चों से दूर रखना चाहिये। एंटिबायोटिक दवाई के आरम्भ के **24** घण्टों के बाद बच्चा संक्रामक नहीं रहता है और रोग दूसरों को नहीं फैळा सकता है।

और अधिक जानकारी के ळिए संपर्क करेंः

जच्चा-बच्चा के ळिए प्रशिक्षित नर्स
आपका फार्मेसिस्ट
आपका पारिवारिक चिकित्सक
त्वचा रोग विशेषज्ञ

© 2002, Department of Dermatology, St. Vincent's Hospital Melbourne, Victoria Parade, Fitzroy, Victoria 3065 Australia.